



दिनांक 13 मं. 12 1971  
6000  
17-5-6

मि. गालर  
F/1 952/12  
954.02  
7111M. 40  
980.82

श्री. कुण्डल साहु पिता का नाम श्री देवचरण साहु हकीम  
जाति जैसवाल बनिषा बपबसाय गुरुहरी निवास गांव  
कीनमेंकरा प्रगना बीह बासा डेहेंटांगर जिला रांची बिहेन।

1 लेखकर्ता: श्री कुण्डल साहु पिता का नाम श्री देवचरण साहु हकीम  
जाति जैसवाल बनिषा बपबसाय गुरुहरी निवास गांव  
कीनमेंकरा प्रगना बीह बासा डेहेंटांगर जिला रांची बिहेन।

2 लेखकर्ता: श्री रामपु प्रसाद पिता का नाम श्री रामेश्वर साहु  
कापस जाति बिबाहुत सुंडी बपबसाय गुरुहरी बो -  
बधापार निवास गांव सिमडेगा प्रगना बीह बासा -  
सिमडेगा जिला रांची केत।

3 लेखकर्ता: मि. कृष्ण पत्र केबला बेली कलामी पुत्र-पुत्रादि  
लक्ष दिवस के लिये राता टुकडा बिबि होला है।

4 मूल्य:- मौकीला हात हजार पाल ली ठ अके मौं 6200.00  
ठ रिजत का आधा मौं तीस हजार हात ली पलास ठ.  
मांके मौं 2620.00 ठ. होले है।

श्री. कुण्डल साहु पिता का नाम श्री देवचरण साहु हकीम  
जाति जैसवाल बनिषा बपबसाय गुरुहरी निवास गांव  
कीनमेंकरा प्रगना बीह बासा डेहेंटांगर जिला रांची बिहेन।

क्रमांक 79/78 दिनांक 4/2/78

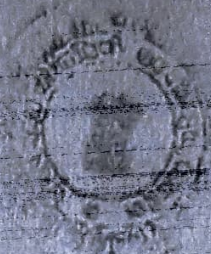
वित्तीय सुविधा 41500 रूपये - का श्री कुडत साहू

₹ 20000 X 2 = ₹ 40000  
₹ 10000 X 1 = ₹ 10000  
₹ 5000 X 1 = ₹ 5000

total ₹ 41500

साहित्य - कोरगेडा, थाना देहरीवांगी, जिला -  
गैरत के नाम लिखित रकम जमा गाँवे के पत्ताना

राम/पु -  
५.०० (१०/१५)  
4/2/78



17-8-78

सहायक निदेशक  
राजस्थान सरकार  
जयपुर

श्री देवमाला साहू  
मे. नैजरा 163657  
गाँव -  
जिला -

म. 1/1/78  
21-99-6-62

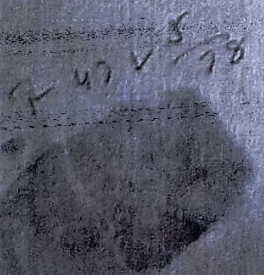
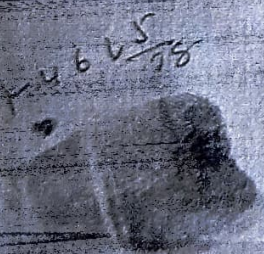
₹  
11/7/78

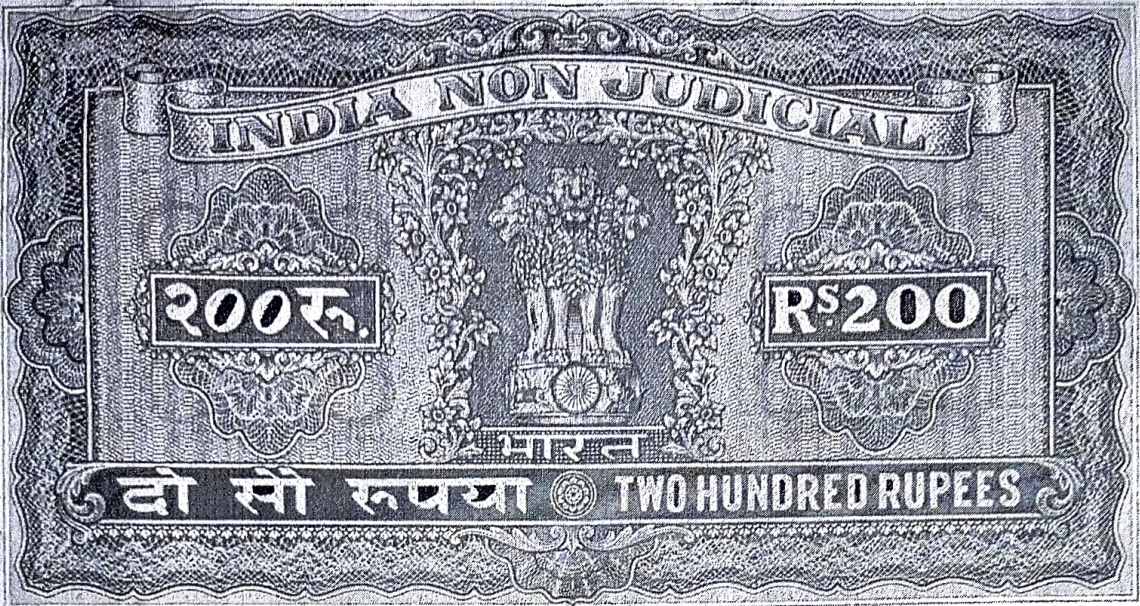
उपरोक्त श्री कुडत साहू ने इस लेखक को  
लिखपत्र सीमा देखा। इसी परधान परधानी  
गदावीर प्रसाद पिना भीरकम गाँवगाँव साहूने देखा

₹  
11/7/78

म. 1/1/78  
21-99-6-62

₹  
21-99-6-62





५ संपत्ति:- सराजिनात आंदर मीजा लिखंडगा का हुकिमत खास मजदमी

काहत कायमी शेपती जमीन आन्दर खाता नं० १२२ का कुल  
०.११ बी. (आर.सी.) की ६० चौंस जमीन सात जिल्ला का घरा -  
निबरण नीचे दिना गया है।

१ इस समय मुझे बाह्ये मुकामे महलान की मुकदमा खर्च  
नका घरेलु जहरी खर्च के लिए हमसे की निहायत जहरी  
श्री और जमीन केबला बेचने के सिवा रुपया पाने का और  
कोई अन्य उपाय नहीं है। अतः मैं ने उपरुक्त लेखधारी  
श्री रामचु प्रसाद से मेरी जमीन शरीदने की आज्ञा की और  
उन्होंने ने जमीन लेना स्वीकार किया।

२ इस लिए मैं ने अपनी इच्छा से श्री और मन की  
हवयता में उपर खाता संख्या ५ में बर्णित जमीन उपरुक्त  
लेखधारी श्री रामचु प्रसाद के हाथ में ०६५००/रु मुद्रा  
मकुल की मुकता पाकर बेची और इस जमीन का सब -  
अधिकार का हारा एक एक उक्त लेखधारी का उन के  
उत्तराधिकारी जो हैं का होगी उन्हें हस्तांतरित कर दिया।  
अब से इस जमीन पर मेरा कोई हक का अधिकार नहीं  
रहा और आइने की फिर कभी नहीं होगी और न  
मेरे किसी उत्तराधिकारी का हकनापका का।

Handwritten signature and date: 21/99-6262

Handwritten signature and date: 23-9-11

क्रमांक 77/78, दिनांक 6/1/78 के अनुसार निम्न विवरणों में



राजस्थान  
31. 7/1/78  
लाला विमल चन्द  
611158

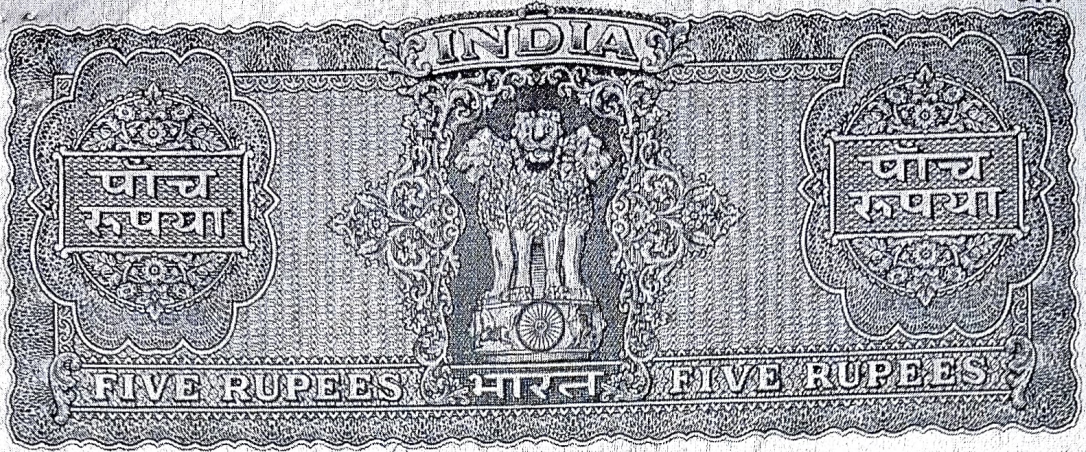




3 में प्रतिज्ञा करता हूँ कि इस जमीन पर मेरा एक और दखल बन्ना  
 निमित्त नहीं है। इस पर किसी प्रकार का नारा या अगुआ क्लेयर  
 या नार देना नहीं है।

4 इस लिए यह निम्न पत्र बोलना बोलना बोलना पुत्र पुत्रादि  
 सब दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे और समय पर  
 काम आने। जमीन का पूरा विवरण:- मीना सिमडेगा  
 प्रगना बीह घाना सिमडेगा जमप पत्र का सभ रजिस्ट्री ऑफिस  
 सिमडेगा सदर रजिस्ट्री ऑफिस को जिला रांची है। घाना  
 न० ११६ खेड न० १ खाना न० १५२ खेड न० ६७१  
 रकबा ०.२६ डी० मेसे १-डी० सिर्फ जिह का लगान दो रुपये २/  
 सब जाहेद कि लेखपारी मजदूर इस जमीन पर कानिज  
 दखल कार होकर नो रहकर जेत कोड कर प्रति वर्ष फसल  
 आबाद कर या कराकर पैदा पैदना जोग तसहफ किना करे  
 या साका, लायका, बीका लगाने या सकात, बाग, पीखरा,  
 बनाने या बुना खोदे या नो-बिकी करे आपने फायदा के लिए  
 बुमिधानुसार हर प्रकार कर सकते हैं और जमीनदार विहार  
 सरकार के आंचल खोफिस मोकाम सिमडेगा के मादाम से  
 अपने नाम दारिल खारिज कराकर हर साल निश्चित  
 लगान चुका कर आपने लाभ लाभ से रतीद हासिल करे।  
 किजोन जमीन की चौहदी:- ऊपर बारी लेखपारी दखिल

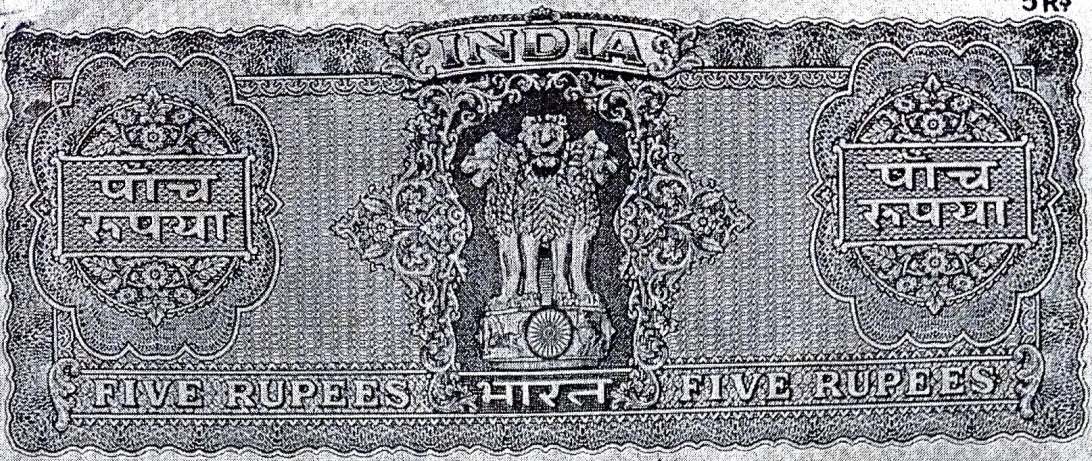
मजदूर मजदूर  
 २१-११-६७



दरिद्र दिवाल लीलावली साहु जोजे त्रिवेनी साहु प्रारभ  
 बारी पावल उठोव चशिम जगदीश साहु का सभान हें ।  
 निजी साट के अचर एर इका सभान हें जित के सांड लपल  
 बांत वला लच्छी. इकाइते एदरी फोरर के सभान के अचर  
 का चोरु सभान मे लेखपासी का कोई हक का दावा यानी  
 नहीं रहेगा । त. ११-४६२ ई० के दफतर तरे लेखपासी अका  
 कुल सामान उठाए ले जाइके तम सभान के (नाली) जर्मन मे  
 लेखपासी बसलार होगे । अतिव - नगापरा हुने गईद  
 बरील सिवडेगा, विक्रम पत्र का यह सजासुत सोफियत तथा  
 गवाहक के सामने लिखा को पद रू युना को समला दिया गया  
 वे हुने पद रू सहा संजूर किए । त. ११-६-१४६२ ई०  
 बजे रहे कि निजी साट के अचर की अचर चौधरी के अचर  
 लेखपासी का एर ईन नी जर्मन नहीं रहा । अतिव एर अचर ।

म. ए. ए. ए. ए. ए.  
 ११-११-६२६२





मैं कुण्डल साहु बल्द देवचरण साहु स्वर्गीय सा०  
 कोतमंजरा बामा डेहेंटांगर जिला रांची लक्षपय ब्याज  
 करत हूँ कि जी जमीन में बिक्री कर रहा हूँ वह बिहार  
 भूमि सुधार अधिनियम सीमा निर्धारण एवं अधिमेष  
 भूमि अधिनियम में संशोधित अधिनियम १९६२ बिहार  
 धरती सम्पत्ति सीमा अधिनियम १९६२ जी बिहार  
 गजट एक्टहा आर्किनरी दिनांक २९-९-६२ में  
 प्रकाशित किया गया है के अनुसार सीमा निर्धारण से  
 ज्यादा नहीं है।

Sd/-  
 21.11.62

बिक्रेता श्री कुण्डल साहु को श्री महादेव प्रताप बल्द सा०  
 श्रीलमनामणसाहु सा० बामा डेहेंटांगर जिला रांची से  
 पश्चात् की। उस ने मेरे सामने हलफन बसही कि बिना  
 कि उपर के ब्याज उस के जानकारी एवं विरलात ले  
 लता है।

सही महादेव २६१५  
 ११.६.६२

निबंधन महाधिकारी  
 सिमडेगा